

## पद २५७

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

आज बन्सी बजाई घनश्याम ने ॥ध्रु.॥ जमुना तीर गये बिहारी ।  
बन्सी की नाद सुनाई हो ॥१॥ वृंदावनमों कुंजगलिनमों । ब्रजको  
लाज गमाई हो ॥२॥ मानिक कहे त्रिभुवनपालक । चरनन ध्यान  
लगाई हो ॥३॥